मुख्यमंत्री और डिमोक्रेसिया

असग़र वजाहत

मुखमंत्री और डिमोक्रेसिया

(1)

अकाल हो या बाढ़, दंगे हों या स्टेंपीड मुखमंत्री सुखमंत्री रहते हैं। आजकल मुखमंत्री हेलीकॉप्टर से बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का सघन दौरा कर रहे हैं। ब्रेकफस्टवा से लेके डिनरवा तक सवै हिलीकॉप्टरवा में होता है। रात-दिन कान घुनघुनाते रहते हैं, सो अलग। सैकड़ों गांवों में पानी भरा है। हजारों जानवर और आदमी मर चुके हैं। बीमारियां फैल रही हैं। महामारी लोगों को चट कर रही है। पानी लगातार बढ़ रहा है। मुखमंत्री ने सोचा कहीं पानी इतना न बढ़ जाए कि हेलीकॉप्टरवा डूब जाए। उन्होंने पायलट से पूछा, ''क्यों जी हेलीकाप्टरवा पानी में डूब तो न जाएगा?''

पायलट ने कहा, ''सर ऐसा कैसे हो सकता है।''

मुखमंत्री ने कहा, ''मान लीजिए सौ फुट पानी ऊपर चढ़ गया तो?''

पायलट ने कहा, ''क्या होगा? यही पंद्रह-बीस हजार गांव और डूब जाएंगे।''

''मान लीजिए हजार पांच सौ फुट बढ़ गया तो?''

''शहर डूब जाएंगे।'' पायलट बोला।

''मान लीजिए हजार, दो हजार, पांच हजार फुट।''

''तब तो पूरा देश डूब जाएगा पर हेलीकॉप्टरवा नहीं डूबेगा।'' पायलट बोला।

''और बीस हजार फुट।'' मुखमंत्री बोले।

''तब तो सर हिमालय पहाड़ डूब जाएगा, हेलीकॉप्टरवा भी डूब जाएगा।'' पायलट बोला।

''अरे तो थोड़ा और ऊंचा उड़ाइए न हेलीकॉप्टरवा।'' मुखमंत्री ने कहा और नीचे देखने लगे।

''अरे देश में डेमोक्रेसिया है न, काहे को डिराते हैं।''

(2)

मुखमंत्री हेलीकॉप्टरवा से देख रहे हैं। हेलीकॉप्टरवा इतने ऊंचे उड़ रहा है कि नीचे कुछ नहीं दिखाई दे रहा।

अचानक मुखमंत्री ने हेलीकॉप्टरवा का दरवाजा खोला और नीचे कूद पड़े।

वे सीधे कोसी की मुख्यधारा में गिरे और नीचे चले गए। सैकड़ों फुट नीचे चले गए। वहां उन्होंने देखा कि कीचड़ और गाद में लोगों की लाशें फंसी पड़ी हैं मुखमंत्री उन लाशों को पहचान-पहचान कर निकालने लगे।

जब वे ऊपर आए तो उनके साथ चार सौ लोगों की लाशें थीं।

मीडिया ने ब्रेकिंग न्यूज बना दी। प्रधानमंत्री ने मुखमंत्री को बधाई संदेश भेजा।

मीडिया ने मुखमंत्री से पूछा, ''हमने सुना है, आप केवल अपने वोटरों की लाशें ही निकालकर लाए हैं।''

मुखमंत्री ने कहा, ''अरे विरोधी दलवाले भी चले जाते कोसी की गोद में, अरे ये तो डेमोक्रेसिया है।''